

SHAKUNTALAM INSTITUTE
OF TEACHERS
EDUCATION

D.L.Ed. 1st year
(19-21)

F-10

Unit - 4

आकलन :-

आकलन वह सुचना है जो शिक्षा देने के लिए अध्यापक व छात्रों द्वारा एकत्रित की जाती है।

आकलन शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए प्रयुक्त होता है।

पिछले अनेकों वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में आंकिक और गुणात्मक आकलन की गठगठन हो रही है।

जो कागज और पैपिर पर आकलन करने किया जाता है अर्थात् छात्र के उत्तरों का परीक्षण किया जाता है।

शिक्षा के क्षेत्र में विशेष ध्यान है। इसके द्वारा यह जागृता प्राप्त होती है कि शिक्षा उद्देश्यों की दृष्टि से तब तक प्राप्त किया जा सकता है।

अर्थात् आकलन उद्देश्य निष्ठ होता है।

आकलन का परिभाषा :-

०-० आकलन वह निर्णय था जो
 है जिनके डिली बालक के
 विषय में प्राप्त रचनाओं के
 आधार पर प्रदान किया जाता
 है। ११

डॉ. पी. एन. टल्लम के अनुसार

* ०-० आकलन डिली वह कार्य पद्धति
 है (नियंत्रक नामों की
 उपयोगिता के संख्या में प्रदान
 किया गया निर्णय है। ११

यह रूप में उपर्युक्त परिभाषा
 आकलन निर्णय है कि
 वाली प्रक्रिया है यह बालक
 के व्यवहार में होने वाली
 परिवर्तनों की जागृता अर्थात्
 विषय के निर्धारित उद्देश्यों की
 पूर्ति कहां तक हुई है
 तथा वह बालक कहां तक
 सफल हुआ है कि संश्लेषण
 जागृता आकलन के माध्यम से
 ही प्राप्त होती है।

नया उन्हें एक आकलन के लिए प्रोत्साहित करेगा।

* शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में आकलन की आवश्यकता :-

1. आकलन ले छात्रों के व्यवहार में आने वाले परिवर्तनों का साग प्राप्त होती है।

2. इससे यह पता चलता है कि छात्रों के तैकिक उद्देश्यों की पूर्ति किस निमा तक होती है।

3. इससे यह पता चलता है कि विषय सामग्री उपयुक्त है अथवा नहीं।

4. इससे यह भी पता चलता है कि शिक्षण विधियाँ प्रभावी हैं या नहीं।

5. आकलन ले अध्यापक स्वयं अपने अध्यापन अध्यापन की पहचान करने उन्में उपयुक्त परिवर्तन लाना है।

1. कलंडे वाता मिनन - मिनन विषयों में समय की एक अवधि विशेष में बच्चों की प्रगति और उत्तम आने वाले परिवर्तनों का पता लगाना ।
2. बच्चों की विशेष जरूरतों तथा व्यक्तिगत जरूरतों की पहचानना ।
3. उपयुक्त तरीके से आकार पर अव्यापन एवं लिखने की स्थितियों की योजना बनाना ।
4. किसी भी बच्चों के बारे में यह पता लगाना की उनकी लक्षित किंग विषयों में है तो वह क्या चाहता है ।
5. बच्चों की कुछ प्राप्ति कर पाएँ की भावना की विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना ।
6. कक्षा में चल रही लिखने - लिखाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना ।